



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (1)
PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 168]
No. 168]

नई दिल्ली, बुधवार, मई 4, 1983/वैशाख 14, 1905
NEW DELHI, WEDNESDAY, MAY 4, 1983/VAISAKHA 14, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह असंग्रहित संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

वित्त मंत्रालय
(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

सं० 118/83-सीमाशुल्क

नई दिल्ली, 4 मई, 1983

सां०का०नि० 375(अ) —केन्द्रीय सरकार सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भूगणितीय और सर्वेक्षण अवरोध हटाने मापक उपकरण के विनिर्माण के लिए अपेक्षित संघटक पुर्जों को जब उनका भारत में आयात किया जाए और जिनके बारे में सीमाशुल्क सहायक कलक्टर के समाधानप्रद रूप में यह भावित हो जाए कि वे ऐसे विनिर्माण के लिए अपेक्षित हैं सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची में विनिर्दिष्ट उस पर उद्ग्रहणीय सीमाशुल्क के उतने भाग में जितना मूल्य के 60 प्रतिशत की दर से

संगणित रकम से अधिक है निम्नलिखित शर्तों के अधीन
रहते हुए छूट देती है अर्थात्—

(1) आयातकर्ता प्रत्येक मामले में तकनीकी विकास महानिदेशालय, उद्योग मंत्रालय में एक प्रमाणपत्र प्रस्तुत करता है कि प्रयुक्त संघटक पुर्जे ऊपर विनिर्दिष्ट प्रयोजन के लिए अपेक्षित हैं या होंगे और उनका विनिर्माण भारत में नहीं किया जाता है ।

(2) आयातकर्ता, सीमाशुल्क सहायक कलक्टर द्वारा विनिर्दिष्ट प्रारूप में और राशि का बन्धपत्र निष्पादित करके स्वयं को इस बात के लिए आबद्ध करता है कि वह ऐसे संघटक पुर्जों की वास्तविक जितने के बारे में सीमाशुल्क सहायक कलक्टर के समाधानप्रद रूप में यह साबित नहीं होता है कि वे पूर्वोक्त प्रयोजन के लिए प्रयोग किए गए हैं, मांग किए जाने पर उतनी रकम का संदाय करेगा जो इस अधिसूचना में दी गई छूट के न दिए जाने की दशा में ऐसे संघटक पुर्जों पर उद्ग्रहणीय शुल्क और आयात किए

जाने के समय पहले ही संबलत शुल्क के बीच के अन्तर के बराबर हो ।

[फा० सं० 355/33/82-सीमाशुल्क-1]

एन० एसिधरन, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

No. 118/83-CUSTOMS

New Delhi, the 4th May, 1983

G.S.R. 375(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts, component parts required for the manufacture of Geodetic and Survey Infrared Distance Measuring Instrument, when imported into India and proved to the satisfaction of the Assistant Collector of Customs to be so required for such manufacture, from so much of that portion of the duty of

customs leviable thereon which is specified in the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975) as is in excess of the amount calculated at the rate of 60 per cent ad valorem, subject to the following conditions, namely :—

- (1) the importer produces a certificate in each case from the Directorate General of Technical Development, Ministry of Industry, that the component parts in question are or will be required for the purpose specified above and are not manufactured in India.
- (2) the importer, by the execution of bond in such form and for such sum as may be specified by the Assistant Collector of Customs, binds himself, to pay, on demand, in respect of such component parts, as are not proved to the satisfaction of the Assistant Collector of Customs to have been used for the aforesaid purpose, an amount equal to the difference between the duty leviable on such component parts but for the exemption contained herein and that already paid at the time of the importation.

[F. No. 355/33/82-Customs I]

N. SASIDHARAN, Under Secy.